दिव्यांग

ई–न्यूज़लेटर

दीक्षान्त विशेषांक

Ensuring Inclusiveness and Equality

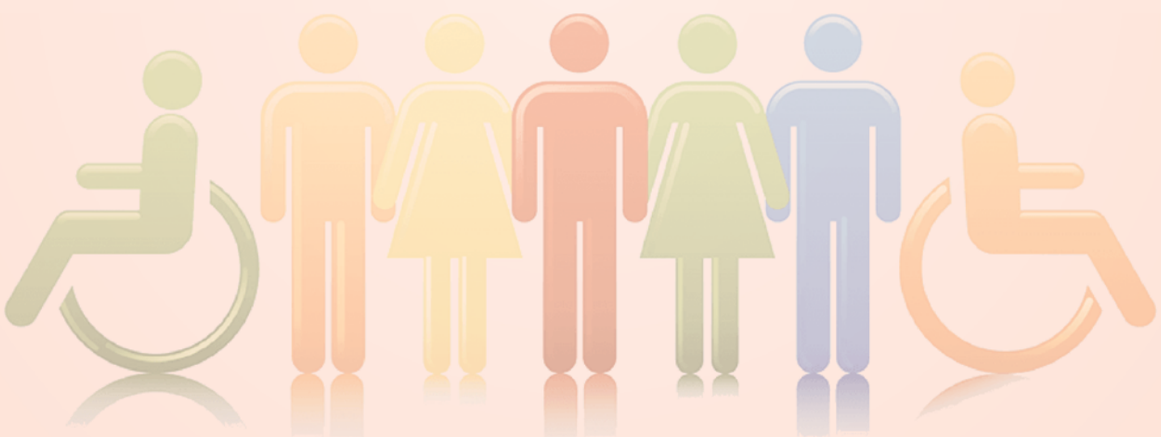

Dr. Shakuntala Misra National Rehabilitation University

कुलगीत

हम बढ़ें....
बढ़ते रहें....
बढ़ते चलें....

ये हमारा रम्य प्रांगण
ज्ञान उत्स प्रणम्य प्रांगण
भव्य भारत भूमि पर
नव सर्जना साकार प्रांगण !

अकिंचन टूटे स्वरों को
थके हारे अँधेरों को
रोशनी के पर लगाता
सृजन का संकल्प प्रांगण !

ये हमारा रम्य प्रांगण....

अति उदासे अनमनों को
राह में छूटे जनों को
हाथ लेकर साथ देता
सृजन का संकल्प प्रांगण !

ये हमारा रम्य प्रांगण....

ये धरा का मान अभिनव
नयी ज्योति विहान अभिनव
मृदु मनोरम कल्पना
शुभ साधना साकार प्रांगण !

ये हमारा रम्य प्रांगण....

-देवेन्द्र

दिव्यांग

ई-न्यूजलेटर

अंक 3, नवम्बर 2018
दीक्षान्त विशेषांक

प्रधान सम्पादक
प्रो. विनोद कुमार सिंह

सलाहकार
प्रो. हिमांशु शेखर झा

सम्पादक मण्डल
डॉ. कौशल शर्मा
डॉ. दिनेश कुमार
डॉ. देवेश कटियार
श्री आशीष कुमार गुप्ता

विशेष सहयोग
श्री सत्यवान मिश्रा
श्री गजेन्द्र यादव

कला सम्पादक
डॉ. अवधेश मिश्र

प्रकाशक
कुलसचिव
डॉ. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ

ग्राफिक्स
प्रकाश पैकेजर्स, 257 गोलागंज, लखनऊ

प्रवीर कुमार
आई.ए.एस.
कुलपति
Pravir Kumar
I.A.S.
Vice-Chancellor

डॉ. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ
दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग
उत्तर प्रदेश सरकार, भारत
Dr. Shakuntala Misra National Rehabilitation University, Lucknow
Department of Divyangjan Empowerment
Government of Uttar Pradesh, India

Message

It is a matter of pride for me to serve in a University that provides opportunities of higher education to our divyang and non-divyang students in an inclusive environment. The academic programs and career-oriented courses of the University have been meticulously designed to help the students, especially the divyang students, to successfully face the challenges of the present global professional world.

It is indeed a great pleasure to note that the University is releasing the new volume of the "Divyang e-newsletter" on the occasion of the Vth Convocation. The inspiring and informative contents of this newsletter will sensitize the students and the people about the issues and challenges faced by the divyang students. It will also be helpful in assimilating such students in the mainstream of the society by making them self-reliant and enabling the target segments to play an effective and positive role in nation-building.

(Pravir Kumar)

Office : Mohaan Road, Lucknow - 226 017, India Phone (Off.) : 0522-2891382
E-mail : vc.dsmnru10@gmail.com, Website : http://dsmru.up.nic.in

डॉ. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ
दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग
उत्तर प्रदेश सरकार, भारत
Dr. Shakuntala Misra National Rehabilitation University
Department of Divangjan Empowerment
Government of Uttar Pradesh, India

सन्देश

मुझे हार्दिक प्रसन्नता है कि दिनांक 12 नवम्बर, 2018 को विश्वविद्यालय अपना पंचम दीक्षान्त समारोह मनाने जा रहा है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की ओर से प्रकाशित वेब पत्रिका **दिव्यांग ई-न्यूजलेटर** के तृतीय अंक का लोकार्पण भी हो रहा है।

दिव्यांग ई-न्यूजलेटर का यह अंक विश्वविद्यालय की समग्र अकादमिक और सांस्कृतिक सक्रियता को प्रतिविम्बित करेगा, ऐसा मुझे विश्वास है। यह पत्रिका आप सबकी रचानात्मक सहभागिता से समृद्ध होकर भविष्य की उन तमाम सम्भावनाओं, जिससे विश्वविद्यालय अपने क्षितिज का निरन्तर विकास कर रहा है और उसकी अन्तः प्रज्ञा एक लिपिबद्ध मानचित्र बन सके, यही हमारी कोशिश रहेगी।

लोकार्पण के इस विशेष अवसर पर पूरे विश्वविद्यालय परिवार को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

अमित कुमार सिंह
कुलसचिव

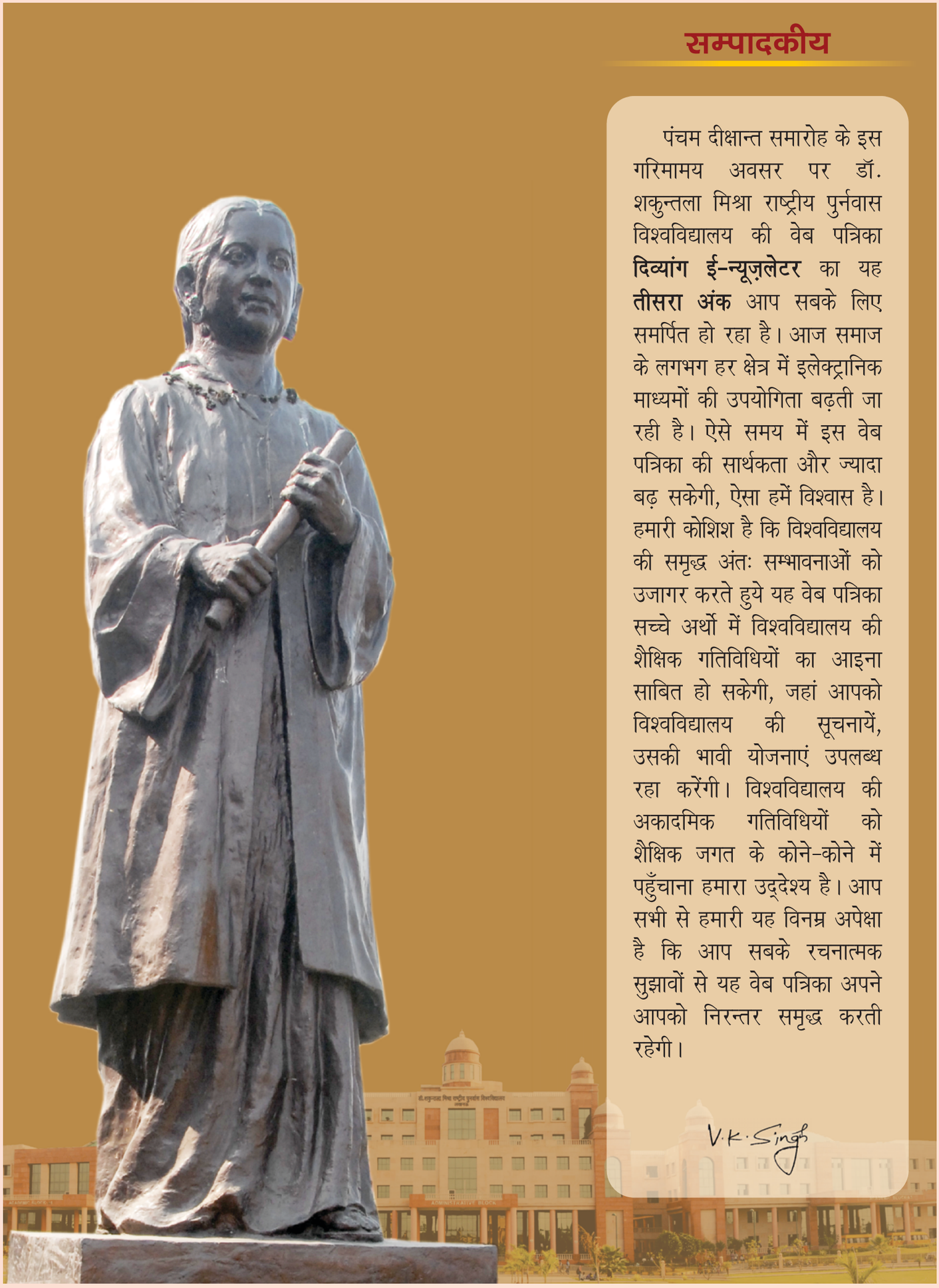

सम्पादकीय

पंचम दीक्षान्त समारोह के इस गरिमामय अवसर पर डॉ. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुर्नवास विश्वविद्यालय की वेब पत्रिका **दिव्यांग ई-न्यूज़लेटर** का यह **तीसरा अंक** आप सबके लिए समर्पित हो रहा है। आज समाज के लगभग हर क्षेत्र में इलेक्ट्रानिक माध्यमों की उपयोगिता बढ़ती जा रही है। ऐसे समय में इस वेब पत्रिका की सार्थकता और ज्यादा बढ़ सकेगी, ऐसा हमें विश्वास है। हमारी कोशिश है कि विश्वविद्यालय की समृद्ध अंतः सम्भावनाओं को उजागर करते हुये यह वेब पत्रिका सच्चे अर्थो में विश्वविद्यालय की शैक्षिक गतिविधियों का आइना साबित हो सकेगी, जहां आपको विश्वविद्यालय की सूचनायें, उसकी भावी योजनाएं उपलब्ध रहा करेंगी। विश्वविद्यालय की अकादमिक गतिविधियों को शैक्षिक जगत के कोने-कोने में पहुँचाना हमारा उद्देश्य है। आप सभी से हमारी यह विनम्र अपेक्षा है कि आप सबके रचनात्मक सुझावों से यह वेब पत्रिका अपने आपको निरन्तर समृद्ध करती रहेगी।

V.K. Singh

Distribution of Assistive Aid and Appliances of the surrounding community of the University was conducted in presence of Hon'ble Minister Shri Om Prakash Rajbhar.

डॉ. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में लायन्स क्लब-शान ए अवध डायमण्ड एवं के.जी.एम.यू. के ट्रांसफ्यूज़न मेडिसिन विभाग के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन

Celebration of International Week of the Deaf (IWDeaf) and International Day of Sign Language (IDSL)

विश्वविद्यालय के अटल प्रेक्षागृह में जिला प्रशासन के सहयोग से आयोजित मतदाता जागरूकता कार्यक्रम

विश्वविद्यालय परिसर में अध्ययनरत विद्यार्थियों एवं विभिन्न केन्द्रों में आने वाले लाभार्थियों के सुगम आवागमन की सुविधा हेतु बैट्री चालित ई-रिक्शा के लोकार्पण कार्यक्रम के दृश्य

विश्वविद्यालय परिसर में स्वतन्त्रता दिवस के अवसर पर आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम

विश्वविद्यालय के केन्द्रीय पुस्तकालय का लोकार्पण

गांधी जयन्ती का अवसर

स्तन कैंसर सप्ताह के अवसर पर विश्वविद्यालय में आयोजित जागरूकता रैली

विश्वविद्यालय के विशेष शिक्षा संकाय में अध्ययनरत् छात्र शौकत अली ने कोलम्बों में आयोजित भारत एवं श्रीलंका के दिव्यांग क्रिकेट श्रृंखला में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व किया

Power Angel Program under the aegis of 1090 was organised in the faculty of Special Education.

Celebration of World Audiologist Day

संगीत एवं कला संकाय का आयोजन

गांव के कैनवस पर विश्वविद्यालय का ललित कला विभाग

Internal Quality Assurance Cell (IQAC) of the University

Hon'ble Vice Chancellor of the University	**:**	**Chairperson**
Director of IQAC		
Dr. Himanshu Shekhar Jha, Professor, Sociology	:	Member Secretary
Eight Senior Teachers and one senior administrative official	**:**	
Prof. D. N. Singh, Dean, Faculty of Music & Arts	:	Member
Prof. V. K. Singh, Dean, Faculty of Special Education	:	Member
Prof. Shephali Yadav, Dean, Faculty of Law	:	Member
Prof. Prem Mohan, Proctor	:	Member
Prof. Nagendra Yadav, Dean, Faculty of Commerce	:	Member
Prof. R. R. Singh, Dean, Student Welfare	:	Member
Prof. C. K. Dixit, Dean, Faculty of Science & Technology	:	Member
Prof. R. K. Srivastava, Dean, Faculty of Computer Science and Information Technology	:	Member

दिव्यांगों के लिए दोस्त से कम नहीं 'आर्टिफिशियल विजन डिवाइस'

दिव्यांगों के लिए 'आर्टिफिशियल विजन डिवाइस' किसी दोस्त से कम नहीं होगी। उन्हें घर से बाहर जाने, सड़क पार करने व निर्धारित स्थल तक पहुंचने में ये खासी मददगार साबित होगी। यह कारनामा किया है डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के बीटेक द्वितीय वर्ष के विद्यार्थी शुभम कुमार शाह ने। उन्होंने अल्ट्रासोनिक सेंसर, ब्रेड बोर्ड, आडियूनो व सोलर पैनल से यह डिवाइस तैयार की है, जो दिव्यांगों को चार मीटर की रेंज तक सामने या पास आने वाले निर्जीव व सजीव व्यक्ति या वस्तु के बारे में सूचित कर देगी। इसे अपग्रेड करके इसकी रेंज को बढ़ाया भी जा सकता है। डिवाइस को जीपीएस इनेबल करके माइक्रो चिप के रूप में चश्मे में लगाया जा सकता है। शुभम ने बताया कि प्रथम चरण में जो तकनीकी प्रयोग किए गए ह, उनसे कोई भी व्यक्ति इसका प्रयोग कर सकता है। उसे वाइब्रेटशन के माध्यम से जानकारी मिलेगी। आवश्यकतानुसार साउंड नेविगेशन एंड रेंजिंग (सोनार) व माइक्रो चिप से आवाज की भी सुविधा ले सकेंगे। इस डिवाइस में निर्धारित ऑब्जेक्ट को सेट कर दिया जाएगा तो वह संबंधित को आवाज से भी इसकी जानकारी देगा।

Artificial Vision Device Developed by B.Tech Student Shubham Kumar Shah

The Faculty of Computer Science and Information Technology had conducted a Career Counselling & Research Application Workshop for the students of M.C.A and M.Sc.(IT) Courses on 8th Sep, 2018. The main focus of the workshop was creating awareness amongst the students about the latest marketing trends in job opportunities and importance of research in their lives.

A workshop on Python, a high-level programming language for general-purpose programming in collaboration with Digipodium was conducted on 11th Oct, 2018.

A seminar on "Softcomputing And Its Application" was conducted on 25th Aug, 2018. Seminar was very much beneficial for faculty members and students in terms of thrust area of research.

Dr. D. C. Sharma, Assistant Professor & Coordinator, Department of Microbiology Chaired a Session on 'General and Applied Microbiology' as rapporteur in '58th Annual Conference of AMI entitled, Microbes for Sustainable Development and: Scope and Applications' organized by Babasaheb Bhimrao Ambedkar University, Lucknow.

Dr. D. C. Sharma, Assistant Professor & Coordinator, Department of Microbiology was invited to Doordarshan Kendra, Uttar Pradesh, to deliver the information on 'Krishi Main Suksham Jivo Ki Upyogita' in 'Krishi Darshan'.

A Guest Lecture was organized by the **Department of Mathematics and Statistics** in the sequence of Mahalanobis Invited Lecture Series on 20th Jan, 2018. The invited guest was Prof. Neeraj Tiwari, Head, Department of Statistics, Kumaun University, Nainital, Uttarakhand. The Event started with welcoming Prof. Tiwari by Prof. C. K. Dixit, Dean, Faculty of Science & Technology. Prof Tiwari imparted his thoughts on the topic "Small Area Estimation." The lecture was very informative for all Post Graduate Students and Research Scholars. Lecture was attended by the students of M.Sc. (Statistics) and research scholars with gracious presence of Prof. C. K. Dixit, Dean, Faculty of Science & Technology, Dr. Shashi Bhushan, Head, Department of Mathematics and Statistics, Dr. Praveen Kumar Misra, Dr. Dushyant Tyagi and all respected faculty members of the Faculty of Science and Technology.

The event ended with a concluding remark and by presenting memento as a token of love and gratitude by Dr. Shashi Bhushan, Head, Department of Mathematics and Statistics.

Dr. Dushyant Tyagi, Assistant Professor, Department of Mathematics and Statistics delivered an invited talk on "Application of Statistical Analysis in Nursing Research" on 12th May, 2018 in National Conference on the theme "Perspectives of Nursing Research an Evidence Based Practice in Critical Care Nursing" organized by Faculty of Nursing, Swami Vivekanand Subharti University, Meerut on the occasion of International Nurses Day.

Academic Achievements of BASLP Faculty members:

Mrs. Ankita Kumari & Mr. Sushant Gupta presented the papers in National Seminar on Skill Training Program for Persons with Disability at Goa and IISHA conference in 2017-18.

Participation in Conferences by BASLP Students

Participation in Conference by BPO Students

CAMP DASHDOI & DURGAGANJ - KAKORI

Awareness and assessment of divyangjans in the nearby villages of the University has been conducted by the students and facutly members of BPO and BASLP. The main objective to organise these camps were to promote and create awareness among village community towards their rights and benefits provided by the state government and central government.

विशेष शिक्षा संकाय

इस शैक्षिक सत्र में संकाय ने दिग्दर्शिका भोपाल के सहयोग से विकलांग जन अधिनियम विषय पर राष्ट्रीय सम्मलेन का आयोजन भोपाल में किया, जिसमें विश्वविद्यालय के कुलपति, कुलसचिव एवं शिक्षकों तथा छात्रों ने प्रतिभाग किया। संकाय के शिक्षकों डॉ कौशल शर्मा, श्री संजय कुमार एवं श्री महेश कुमार चौधरी ने इस राष्ट्रीय सम्मेलन में अपने शोध पत्र एवं व्याख्यान प्रस्तुत किये।

संकाय की उपलब्धियां:-

- संकाय द्वारा मौलिक शोध कार्यों को प्रोत्साहित करने के लिये दिव्यांग ई-न्यूज़लेटर का प्रकाशन किया गया।
- इस वर्ष विशेष शिक्षा संकाय के निम्न विद्यार्थियों ने NET/JRF परीक्षा उत्तीर्ण की :

  NET- वर्ष 2017-18

  संतोष कुमार, मुक्ति मिश्रा, शशी वर्मा, अरविन्द कुमार, हिमानी सक्सेना, आर्यन तिवारी, रिषभ कुमार, अपर्णा यादव, सरिता बाजपेयी, अरविन्द रावत

  JRF- वर्ष 2017-18

  अरविन्द कुमार, सुशील कुमार
- संकाय के विद्यार्थियों संतोष मीना एवं अपर्णा यादव का क्रमशः केन्द्रीय विद्यालय संगठन एवं उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षा विभाग में चयन हुआ।
- विश्वविद्यालय में भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवम् अधिकारिता मंत्रालय की SIPDA योजना के अन्तर्गत प्राप्त अनुदान से कृत्रिम अंग एवम् पुनर्वास केन्द्र के लिये आवश्यक उपकरणों की खरीद की गई।
- संकाय के विभिन्न शिक्षकों द्वारा राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में शोधपत्र प्रस्तुत किया गया।
- शोध कार्यों को बढ़ावा देने के के लिये NIOS में लेक्चर रिकार्ड किया गया।

संकाय द्वारा SCERT, उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, कल्याणम् करोति, दिग्दर्शिका भोपाल, जयनारायण स्नातकोत्तर महाविद्यालय (के०के०सी० पी०जी० कालेज) एवम् बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों एवम् सेमिनार में तकनीकी एवम् शैक्षिणक सहयोग प्रदान किया गया।

Mr. Satish Kumar, Lecturer Faridkot University, had delivered a special talk to the students of 6th Sem BASLP regarding their scope and practices in India. Another guest talk was given by Ms Ankita Agarwal working as an Audiologist under NPPCD project at Meerut, Uttar Pradesh. She gave information about NPPCD and guided the students on versatile nature of work of an Audiologist.

Educational program on 'Management of Spinal Deformities'

One day educational program was conducted on Management of Spinal Deformities.

Department of Sociology, Social Science & Social Work

Special Lecture on "Climate Change & Disaster Management"

Workshop on Gender Equality "Changing the Norm"

Workshop on changing the norms for Gender Equality was organized on 24th August, 2018 by OXFAM INDIA in the Department of Sociology, Social Science & Social Work, Dr. Shakuntala Misra National Rehabilitation University, Lucknow. The main objective of this workshop was to encourage youth to be a change maker in breaking down the social norms that leads to gender disparity. In continuation with the workshop held on 24th August, 2018, another part of the series on **Gender Equality "Changing the Norms"** was organized on 9th September, 2018. The day 3 session was an analytical continuation of Day 1 and Day 2 series of the workshop.

Voter Awareness Campaign

One Day Workshop on Counseling Techniques and Child Protection

One day workshop on Counseling Techniques and Child Protection was organized on 15th October, 2018 by CHILDLINE in the Department of Sociology, Social Science & Social Work, Dr. Shakuntala Misra National Rehabilitation University, Lucknow.

Dr. Anshumali Sharma focused on the various rights of the children and their need for the survival and protection of the children. He also discussed the various laws like the POSCO Act, Child Marriage Restraint Act and Juvenile Justice (Care & Protection) Act enacted by the government. He also focused upon the roles and duties of Child Line in ensuring child protection.

Dr. Rashmi Soni focussed on the counseling techniques and its importance for social work practicioners. She discussed on various factors that govern the counseling process.

वाणिज्य विभाग

1 शिक्षक दिवस पर 'उच्च शिक्षा की चुनौतियॉ' विषय पर विभागीय स्तर पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया।

2 सरदार वल्लभ भाई पटेल के जन्म दिवस पर 'राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता' विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन विभाग द्वारा किया गया।

3 दिनांक 26th Oct, 2018 'भारत में व्यावसायिक पर्यावरण उत्तम है' विषय पर वाणिज्य विभाग के विद्यार्थियों के मध्य वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित की गयी।

इतिहास विभाग

शैक्षणिक उन्नयन एवं शोध को बढ़ावा देने के लिए शैक्षिक सत्र- 2017-18 में इतिहास विभाग द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये।

1. भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, भारत सरकार, नई दिल्ली की स्वीकृति एवं पुरात व निदेशालय, उत्तर प्रदेश शासन की इलाहाबाद इकाई के सहयोग से पुरातात्विक स्थल सड़वावीर, तहसील राजापुर, जनपद चित्रकूट में प्रथम चरण का उत्खनन कार्य सम्पादित किया गया, जिसमें उत्तरी काली चमकीली पात्र परम्परा से लेकर नवपाषाणकाल तक के साक्ष्य प्राप्त हुए है।

2. इतिहास विभाग में प्रसिद्ध इतिहासविद् प्रो० अतुल कुमार सिन्हा, पूर्व विभागाध्यक्ष, रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली का **भारतीय इतिहास बोधः अवधारणा एवं मूल्य** विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।

3. विश्वविद्यालय के कुलपति माननीय श्री प्रवीर कुमार, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के निवर्तमान निदेशक श्री राकेश तिवारी, श्री विजय कुमार, वरिष्ठ आई.पी.एस. अधिकारी, प्रो० प्रशान्त कुमार व प्रो० डी० पी० तिवारी, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा विभाग के पुरातत्व संग्रहालय का भ्रमण कर सुझाव दिया गया। माननीय कुलपति महोदय द्वारा इसे सुसज्जित किये जाने का निर्देश भी प्रदान किया गया।

4. विभाग के शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम के अर्न्तगत विभाग में अध्ययनरत् स्नातक एवं स्नात्कोत्तर के विद्यार्थियों को विभाग द्वारा लखनऊ के विविध ऐतिहासिक स्थलों/इमारतों का भ्रमण कराया गया, जिसमें बड़ा इमामबाड़ा, छोटा इमामबाड़ा, क्लॉक टावर, बारादरी, टीले वाली मस्जिद एवं लखनऊ संग्रहालय का भ्रमण कराया गया एवं उसके ऐतिहासिक महत्व के सम्बन्ध में विद्यार्थियों को अवगत कराया गया।

5. विस्तार कार्यक्रम के अन्तर्गत स्नातक एवं स्नात्कोत्तर के विद्यार्थियों को राज्य अभिलेखागार का भ्रमण कराया गया। अभिलेखागार के अधिकारियों द्वारा अभिलेखागार से सम्बन्धित विविध पक्षों पर विद्यार्थियों को संज्ञानित कराने हेतु अभिलेखागार में व्याख्यान एवं प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

सत्र 2017-18 में विभाग के शोधार्थी श्री तरून राय, उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित परीक्षा उर्तीण कर व्यापार कर अधिकारी के पद पर चयनित हुए हैं। श्री शैलेन्द्र वर्मा, माध्यमिक शिक्षा चयन बोर्ड द्वारा प्रवक्ता के पद पर तथा श्री सत्येन्द्र रावत दिल्ली सरकार द्वारा विशेष शिक्षक के पद पर चयनित हुए हैं। विभाग की शोधार्थी श्रीमती अंजना तिवारी द्वारा अपना शोध-प्रबन्ध पूरा कर विभाग में जमा किया गया है।

संगीत एवं कला संकाय

श्री राजेंद्र प्रसाद, विभागाध्यक्ष, ललित कला विभाग को संस्कार भारती द्वारा आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय कला शिविर में मऊ में आमंत्रित किया गया।

अवधेश मिश्र असिस्टेंट प्रोफेसर ललित कला विभाग ने इस वर्ष जम्मू एंड कश्मीर एकेडमी ऑफ कल्चर एंड आर्ट द्वारा आयोजित भद्रवाह में राष्ट्रीय कला शिविर में प्रतिभाग किया।

राजनीति शास्त्र एवं लोक प्रशासन विभाग

राजनीति शास्त्र एवं लोक प्रशासन विभाग छः सदस्यीय विभाग है, जिसकी स्थापना सन् 2011 में हुई थी। विभाग में स्नातक, परास्नातक तथा शोध पाठ्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। विभाग में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में लगभग 550 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं तथा 28 शोधार्थी राजनीति शास्त्र तथा लोक प्रशासन विषय के विभिन्न पक्षों पर शोधकार्य कर रहें है। विद्यार्थियों के हित को ध्यान में रखते हुए उन्हें विषय के अद्यतन आयामों का ज्ञान कराने हेतु विभाग द्वारा समय-समय पर विभिन्न पाठ्यचर्या तथा सह-पाठ्यचर्या सम्बन्धित कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता रहा है। विभाग द्वारा ICSSR, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित दो सप्ताह का Capacity Building Programme आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन सत्र तथा डॉ० ममता यादव द्वारा कार्यक्रम का संचालन

इस कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में प्रो० सुषमा यादव, इण्डियन इंस्टिट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, नई दिल्ली एवं डॉ० सुरिन्दर कुमार, निदेशक, गिरि संस्थान, लखनऊ को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया तथा सत्र की अध्यक्षता माननीय कुलपति, डॉ० शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय द्वारा किया गया था। इस कार्यक्रम में 10 स्थानीय प्रतिभागी तथा 20 मुख्यालय के बाहर से आए प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया था, जो उत्तर प्रदेश तथा अन्य राज्यों के सम्मानित विश्वविद्यालयों एवं कालेजों में कार्यरत हैं। कार्यक्रम के विभिन्न सत्रों में सामाजिक विज्ञान तथा अन्य क्षेत्रों से प्रसिद्ध प्रोफेसर और हस्तियों ने रिसोर्स पर्सन के रूप में अपने विचार साझा किए। इस कार्यक्रम के समापन अवसर पर प्रो० मनोज दीक्षित, कुलपति, डॉ० राम मनोहर लोहिया अवध वि वविद्यालय, फैजाबाद मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस कार्यक्रम के माध्यम से विभाग ने सम्पूर्ण विश्वविद्यालय परिवार को विभिन्न राज्यों से आए प्रतिभागियों से जोड़ने का कार्य किया तथा कार्यक्रम में आमंत्रित विशिष्ट अतिथियों का स्वागत् कर विश्वविद्यालय की विशिष्टताओं से उन्हें परिचित भी कराया गया।

विश्वविद्यालय के विधि संकाय द्वारा "हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड-लखनऊ" के संयुक्त तत्वावधान में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन

विधि संकाय एवं "हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड-लखनऊ" के संयुक्त तत्त्वावधान में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन

विधि संकाय एवं "हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड-लखनऊ" के सतर्कता विभाग एवं विधि प्रकोष्ठ के अधिकारीगणों द्वारा विधि संकाय में अध्ययनरत् विद्यार्थियों हेतु सतर्कता जागरूकता सप्ताह (30 अक्टूबर, 2018-03 नवम्बर, 2018) आयोजित किया गया। हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड-लखनऊ की ओर से श्री प्रणव कुमार सिन्हा, उप-महानिदेशक (एल०पी०जी०-लखनऊ मण्डल), श्री संदीप कुमार गुप्ता (मुख्य निदेशक-सतर्कता), श्री ईश विनय (सहायक प्रबन्धक-विधि) एवं श्री अभिजीत कुमार (विधि अधिकारी- लखनऊ संभाग) उपस्थित रहे, जिनके द्वारा विद्यार्थियों को भारत सरकार-सतर्कता मंत्रालय (मुख्य सतर्कता आयुक्त कार्यालय) द्वारा निर्धारित सतर्कता शपथ अनुग्रहित करायी गयी। विशिष्ठ अतिथि के रूप में श्री प्रान्जल कृष्णा, अधिवक्ता उच्च न्यायालय, लखनऊ भी उपस्थित रहे, जिन्होंने अभियांत्रिक साक्ष्य की उपयुक्ता पर व्याख्यान दिया गया।

Publications

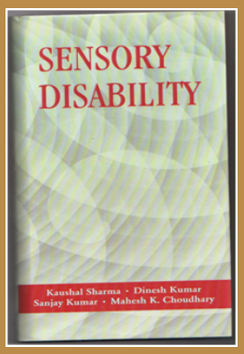

Dr. Kaushal Sharma, Mr. Mahesh Kumar Choudhary, Dr. Dinesh Kumar, Mr. Sanjay Kumar

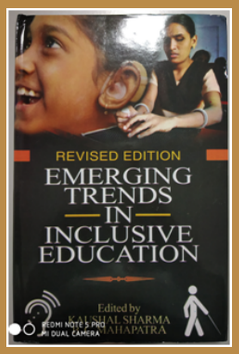

Dr. Kaushal Sharma

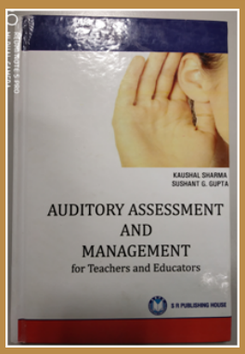

Dr. Kaushal Sharma and Mr. Sushant G. Gupta

Dr. Gauri Tripathi

Dr. Awadhesh Mishra

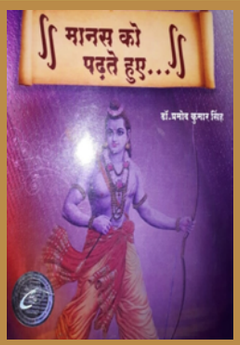

Dr. Pramod Kumar Singh

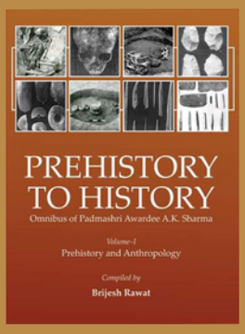

Dr. Brijesh Rawat

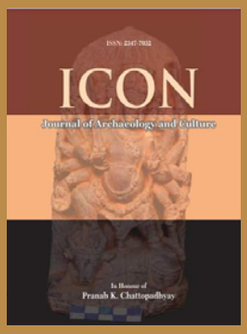

Dr. Brijesh Rawat

Dr. Pramod Kumar Singh

An Epitome Of Optimism And Inspiration : Stephen Hawking

Today, disability is not perceived as an obstacle to success, rather, it is about being differently able to do wonders as has been proved by various examples. It is said if God takes something ,it means he is emptying one's hands to give something better. It is clearly manifested in the life of one of the most inspiring persons in human history- Stephen Hawking.

Stephen Hawking (1942-2018), recipient of many awards ,medals ,prizes also had twelve honorary degrees to his credit. Hawking, a man who could not move or talk did wonders and also led a family life with children. He believed that however bad life may seem, there is always something one can do and succeed. While living with his devastating condition of incurable motor neuron disease for more than half a century, he was able to establish himself as a great theoretical physicist and became a celebrated author. Unfortunately, he suddenly realized that he might not even live long enough to earn his Ph.D. but this did not deter him from his journey to success . He dedicated all his energy towards research work. He believed that his disease helped him as an instrument to become a scientist. Hawking was confined to wheelchair for nearly five decades. He increasingly relied on the advanced technology not only to get around but also to communicate his ideas to the world. Hawking contributed not only to the world of science but his books and public appearances have made him an academic celebrity. His work ***The Brief History of Time*** published in 1988 became a best seller. He is not only a motivational force who challenged death and disability successfully but is a classic example of great courage, intelligence , indomitable will and positive attitude. In his Memoir, ***My Brief History*** Hawking wrote, "Before my condition was diagnosed I had been very bored with life though had not seemed to be anything worth doing…Another dream I had several times was that I would sacrifice my life to save others. After all if I was going to die anyway I might as well do some good."

Hawking's life is a rich tale of success against adversity. Hawking, a great theoretical physicist and a celebrated author taught us not to moan or groan about our misfortunes but to fight adversities with optimism and positive thinking. Indeed he showed that one can make strides if cannot walk ; one can have a beautiful voice ,if cannot talk.

Prachi Saxena
M.A.III Semester
Department of English and Other Foreign Languages
DSMNRU, Lucknow

To Be Blind Is Not Miserable, Not To Be Able To Bear Blindness, That Is Miserable : John Milton

Disability is not an obstacle rather an opportunity to success, the only obstacle is in the way you perceive it . This dictum of seeing possible in impossible is well depicted in the attitude of John Milton (1608-1674) ,one of England's distinguished poets who decided early in his life to become an eminent writer, a goal he undoubtedly accomplished. Amid the political upheavals of the time and the personal struggle he faced in his life, he produced immortal works that placed him on the highest pedestal of English poetry.

John Milton's crowning achievement *Paradise Lost* is widely accepted as the finest Epic Poem in English Language. It is speculated that Milton lost his eyesight completely around 1651, sixteen years before completing the epic poem. He himself said "To be blind is not miserable, not to be able to bear blindness, that is miserable." It is a testament to his courage that he did not let his blindness deter him, especially at a time before Braille or any other technology to assist the Visually Impaired was discovered. He always believed that however difficult life may seem, there is always something one can do and succeed. He had his daughters read to him and dictated his writings to a transcriber. In a sonnet aptly titled "On his Blindness" he had detailed the experience of losing his eye sight. He says "When I consider how my life is spent, ere half my days in the dark world and wide, and that one talent which is death to hide." He believed that God wanted him to keep working inspite of his disability. His patience resulted into the fact that even his idleness is useful to God if he continues to have faith in God.

Though his life was full of hardships, his will power always encouraged him and he realized that no disability can stop him from achieving his goals. As a result of his perseverance and firm faith in the justice of God he is regarded as one of the best writers in English Language.

Jagrati Aweley
M.A.III Semester
Department of English and Other Foreign Languages
DSMNRU, Lucknow

Role of Mass Communication in Rehabilitation

As we are well aware of the impact of media in creating awareness and sensitisation towards diverse problems in the society so with its help we can provide the updated and correct information for the prevention of the problems and creating awareness about them.

To remove societal apathy, to address their rights and provisions of better services for their accessibility Role of Media (Social, Print and Electronic) is very precious. Today the effect of media is well studied and understood by the society in present scenario. Advancement in types of media (whether social, print and the electronic media) has created new opportunities and windows for the professionals working in diverse field of rehabilitation science.

The word Rehabilitation means prevention. It aims to provide necessary and important modalities for economic, social, mental, physical and occupational development of the persons with disabilities. Rehabilitation also tries to provide facilities to satisfy the emotional and other grievances caused by disability.

Now-a-days a new word Divyangjan is being used in lieu of disabled which means special power and capabilities of a person who has lost any of his powers due to medical or non medical reasons.

To overcome these challenges and to provide a better solution, importance of mass communication is felt seriously, and by using different modalities in the field of I.C.T. and other modes of media we achieve the following objectives-

1. Societal apathy .
2. Addressing the rights of the community .
3. Lack of qualified Professionals.
4. Lack of opportunities in Educational and Employment Institutes.
5. Deep rooted prejudice due to right attitudes.
6. Lack of unity among PWDs.
7. Providing better sources of accessibility for PWDs.
8. To make them accountable to the societal needs
9. To provide sufficient capabilities.

Subhas Verma & Nidhi Pandey
BPO-IVth Year
DSMNRU, Lucknow

बेटियों की झोली में आएंगे सबसे ज्यादा पदक

शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय का दीक्षा समारोह 12 नवंबर को होगा आयोजित

जागरण संवाददाता, लखनऊ: शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय का दीक्षा समारोह 12 नवंबर को होगा। रविवार देर शाम विवि प्रशासन ने दीक्षा समारोह की तारीख की घोषणा करते हुए प्रस्तावित पदक सूची जारी कर दी।

विवि द्वारा जारी प्रस्तावित सूची के अनुसार एमएससी की अनुपमा यादव को कुलाध्यक्ष पदक गोल्ड, एमसीए की निहारिका निगम को चांसलर रजत व एमसीए की नौशीन सिद्दीकी को चांसलर कांस्य पदक दिया जाएगा। मुख्यमंत्री पदक के लिए कला संकाय के तहत एमए हिंदी की अर्चना निषाद को स्वर्ण, रजत पदक के लिए श्वेता सिंह व कांस्य पदक के लिए विनायक त्रिपाठी को चुना गया है। इसी तरह वाणिज्य संकाय में स्मृति सिंह को स्वर्ण, रीतिका गुप्ता को रजत, विवेक दीक्षित को कांस्य पदक दिया जाएगा। विशेष शिक्षा संकाय में अस्मिता चौधरी को स्वर्ण, जसवंत यादव को रजत व नितेश कुमार मौर्या को कांस्य पदक दिया जाएगा। विज्ञान संकाय में अनुपमा यादव को स्वर्ण, साक्षी मौर्या को रजत, नीलम निरंजन को कांस्य पदक दिया जाएगा।

आयोजन

- पचास प्रतिशत से अधिक पदक पर बेटियों का होगा कब्जा
- एमएससी की अनुपमा यादव को कुलाध्यक्ष गोल्ड मेडल

इन्हें विशेष पदक

- एमए राजनीति विज्ञान के आकांक्षा सिंह को मुलायम सिंह यादव स्वर्ण पदक
- एमए हिंदी की अर्चना निषाद को आलोक तोमर स्मृति स्वर्ण पदक
- बीएड के संजीव कुमार व एमए हिंदी के शकील अहमद को डॉ शकुंतला मिश्रा स्मृति स्वर्ण पदक, शकील अहमद को अमित मित्तल स्मृति स्वर्ण पदक, बीएड के बाल मुकुंद जायसवाल को रोहित मित्तल स्मृति स्वर्ण पदक, वही बीएड की अस्मिता चौधरी को संस्कृति स्वर्ण पदक से नवाजा जाएगा।

प्रस्तावित सूची वेबसाइट पर, दस अक्टूबर तक दे सकेंगे आपत्तियां

विवि के परीक्षा नियंत्रक प्रो एके सिंह ने बताया कि इस बार विश्वविद्यालय का पांचवा दीक्षा समारोह मनाया जाएगा। दीक्षा समारोह में वितरित की जाने वाली पदक सूची जारी कर दी गई है। छात्र विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर पदकों की प्रस्तावित सूची देख सकते हैं। अगर किसी छात्र को पदक सूची से कोई आपत्ति है तो वह अपनी आपत्ति 10 अक्टूबर शाम पांच बजे तक लिखित रूप से परीक्षा नियंत्रण कार्यालय में दर्ज करा सकते हैं।

लविवि के दीक्षा समारोह का पूर्वाभ्यास आज

जासं, लखनऊ : लविवि के दीक्षा समारोह का पूर्वाभ्यास सोमवार को विवि परिसर स्थित कला संकाय प्रांगण में होगा। इसमें शामिल होने के लिए छात्र-छात्राओं को सुबह नौ बजे पहुंचना होगा। नौ अक्टूबर को होने जा रहे दीक्षा समारोह को लेकर लविवि प्रशासन तैयारियां पूरी कर चुका है। इस पूर्वाभ्यास में पदक पाने वाले सभी छात्र-छात्राओं को अनिवार्य रूप से शामिल होना होगा। विवि के प्रवक्ता प्रो. एनके पाण्डेय ने कहा कि पदक पाने वाले सभी छात्रों को तय समय पर पहुंचना होगा।

में निहारिका निगम को स्वर्ण, नौशीन सिद्धीकी को रजत, कार्तिकेन मिश्रा को कांस्य पदक दिया जाएगा। संगीत एवं ललित कला संकाय के अवधेश कुमार को स्वर्ण, मनोज कुमार हंसराज को रजत व श्रद्धा पाठक को कांस्य पदक दिया जाएगा। विधि संकाय में नेहा चतुर्वेदी को स्वर्ण, सुष्मिता राजपूत को रजत व अनंत वैभव को कांस्य पदक दिया जाएगा।

इसी तरह कुलपति पदक के लिए स्नातक स्तर पर बीए की रचिता यादव, रीतिका गुप्ता को स्वर्ण, शबनम अली व विवेक दीक्षित को रजत, रमदरश व अनुराग मौर्या को कांस्य पदक से दिया जाएगा।

इसी तरह परास्नातक स्तर पर विनायक त्रिपाठी, सरिता कुमारी, अर्चना निषाद, अकांक्षा सिंह, कृति शुक्ला, सुगंधा अग्निहोत्री, मो सलमान, गुलफशां, आकांक्षा सिंह, लुबना जबीन, स्मृति सिंह व अनामिका गुप्ता को स्वर्ण पदक दिया जाएगा। वहीं रजत पदक के लिए शबनम अली, विवेक दीक्षित, मनोरमा तिवारी, प्रगति यादव, श्वेता सिंह, लालता प्रसाद, श्वेता मिश्रा, प्रतीक्षा सक्सेना व नाजनीन बानो को चुना गया है। विवि की ओर से इस बार कुल 121 पदक दिए जाएंगे। इनमें तीन कुलाध्यक्ष पदक, 21 मुख्यमंत्री पदक, 90 कुलपति पदक और सात मेमोरियल पदक दिए जाएंगे।

अटल प्रेक्षागृह में आयोजित चतुर्थ दीक्षान्त समारोह